वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 235 | मंगलवार 20 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

साल के अंत में होगी कड़ाके की सर्दी

26 दिसंबर बाद मौसम में बदलाव होने की संभावना; माउंट आबू में भी ठंड कमजोर

जयपुर. कासं

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी का इंतजार ईयर एंड पर पूरा होगा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक महीने के आखिरी सप्ताह में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तर भारत में सक्रिय हो सकता है, जिससे बारिश के साथ भारी हिमपात होने की संभावना है। इस सिस्टम के असर से मैदानी इलाकों में भी बारिश हो सकती है, जिससे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में कड़ाके की सर्दी का दौर शुरू हो सकता है। दिसंबर में इस सीजन में सर्दी के तेवर नरम ही रहे है। इस कारण इसका नुकसान रबी की फसल बोने वाले किसानों को भी उठाना पड़ सकता है। प्रदेश में आज मौसम की स्थिति देखे तो सभी जगह आसमान साफ है और सुबह से धूप निकली है। कोटा, बूंदी, सीकर, अजमेर, चूरू में बीती रात न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। आज सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चूरू में भी आज लगातार सातवें दिन भी न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। हिल स्टेशन माउंट आबू में भी इस सीजन सर्दी कमजोर रही। यहां अमूमन इस समय तापमान 3 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही रहता है, लेकिन पिछले एक सप्ताह ये यहां न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही बना हुआ है।

30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा दिन का पारा, तपन बढ़ी

राज्य के अधिकांश हिस्सों में भले ही शाम और रात में सर्दी का असर थोड़ा तेज हो, लेकिन दिन में मौसम साफ रहने और धूप

निकलने से तपन बढ़ी है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, सिरोही में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। कल दिन का सबसे अधिक तापमान 32.1 डिग्री सेल्सियस डूंगरपुर जिले में दर्ज हुआ।

26 दिसंबर से एक्टिव हो सकता है वेस्टर्न डिस्टर्बेंस

स्कायमेट वेदर के मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तरी भारत में 26-27 दिसंबर से एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने की संभावना है। इस बार उम्मीद है कि ये डिस्टर्बेंस स्ट्रांग होगा, जिसके असर से हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और

पंजाब में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इस सिस्टम का असर राजस्थान के उत्तरी हिस्सों में भी देखने को मिल सकता है।

राज्य स्तरीय विकास प्रदर्शनी में क्विज, पजल गेम्स एवं लाइव एंकरिंग का रोमांच

दिग्गज पत्रकारों ने साझा किया मंच, हर शाम को सुरीली बना रहे लोक कलाकार

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्य सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने पर जवाहर कला केंद में शनिवार से शुरू हुई प्रदर्शनी को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। खास तौर से युवाओं एवं विद्यार्थियों की भागीदारी बड़ी संख्या में देखने को मिल रही है। प्रदर्शनी में आज तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में विजिटर्स ने पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया। लोगों में राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करने के प्रति जिज्ञासा एवं दिलचस्पी देखने को मिल रही है। विशेष रुप से क्विज एवं पजल गेम्स का रोमांच युवाओं एवं स्टूडेंट्स के सिर चढ़कर बोल रहा है। इन क्विज एवं पजल गेम्स के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं से अवगत करवाया जा रहा है साथ ही विजेताओं को उपहार भी दिए जा रहे हैं। प्रदर्शनी में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की स्टॉल भी खास आकर्षण का केंद्र बनी है। यहां पजल

गेम्स के काउंटर पर युवाओं का हुजूम उमड़ रहा है। स्टॉल पर आगंतुकों को राज्य सरकार के स्टेट फ्लैगशिप कार्यक्रम, महत्वपूर्ण निर्णय एवं उपलब्धियां, जन घोषणा पत्र क्रियान्विति रिपोर्ट एवं सफलता की कहानियां आदि साहित्य निःशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है। वहीं विजिटर्स यहां सुजस वीडियो बुलेटिन स्टूडियो के माध्यम से लाइव एंकरिंग के रोमांच से भी रूबरू हो रहे हैं।

राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए

प्रदर्शनी के तीसरे दिन आज वरिष्ठ पत्रकार सनी सेबेस्टियन एवं गोविंद चतुर्वेदी ने मंच साझा किया। उन्होंने क्विज के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए। सेबेस्टियन ने अपने सम्बोधन में कहा कि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन कर राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार की योजनाओं की तारीफ करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इन योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए। वहीं गोविंद चतुर्वेदी ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं एक से बढ़कर एक हैं और यह प्रदर्शनी आम लोगों के लिए बहुत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के फैसलों में गांधीवादी विचारों की छाप होती है। चतुर्वेदी ने कहा कि राज्य में हो रहे कार्यों की जानकारी राज्य से बाहर भी उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना एवं अरुण जोशी भी इस अवसर पर मंच पर मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

नि :शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 654 की जांच कर 308 को किया भर्ती

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद. शाबाश इंडिया

लायंस केकड़ी व डी डी नेत्र फाउंडेशन कोटा के तत्वाधान में आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का जयपुर रोड लायंस भवन में मुख्य अतिथि कैलाश चंद सोनी, विशिष्ट अतिथि लायन कमल शर्मा संभागीय अध्यक्ष , लायन निरंजन बंसल क्षेत्रीय अध्यक्ष ,पदम कुमार सोनी, सुरेंद्र कुमार सोनी ,प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन एस एन न्याति, लायन हरीश गर्ग ,डॉ कुसुम चौधरी, डॉ समीक्षा अग्रवाल ,डॉ रामेश्वर चौधरी, आनंद सोनी, कमल सोनी, आशीष सोनी, प्रमोद सोनी , आभा सोनी, सोनल सोनी, अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, डॉक्टर बृजेश गुप्ता ने गणेश जी की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया । क्लब प्रशासक लायन दिनेश गर्ग ने बताया कि 654 मरीजों की जांच कर 308 मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण हेतु चयन किया गया । उपाध्यक्ष लायन दिनेश स्वरूप मेवाड़ा के अनुसार डॉक्टर रामेश्वर चौधरी द्वारा 114 मरीजों की फिजियो थेरेपी की गई । उपाध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि चयनित मरीजों में से 95 मरीजों को कोटा ले जाया गया ,शेष मरीजों को मंगलवार, गुरुवार व शनिवार को कोटा ले जाकर ऑपरेशन किया जावेगा । कोषाध्यक्ष विनय पांड्या के अनुसार सभी भर्ती मरीजों का आवास, भोजन जाने आने की सारी व्यवस्था लायंस क्लब द्वारा की जावेगी अनिल बंसल , पदम रांटा, विनय कटारिया, आशाराम जांगिड़, निरंजन चौधरी, संजय जैन, भरत माहेश्वरी, विनय पांड्या ,नितिन मेवाड़ा अनिल दत्त शर्मा ,दिनेश मेवाड़ा , जगदीश फतेहपुरिया, अमित जैन ,अवनीश न्याति, मुकेश मेघवाल, दिनेश चौहान, प्रकाश चंद, लोकेश कुमार शर्मा, अनिल सुमन , नरेंद्र कुमार लोधा , सुख लाल बलाई आदि ने सराहनीय सहयोग किया ।

भगवान चंद्र प्रभु एवं भगवान पार्श्वनाथ का जन्म व तप कल्याणक हर्ष और उल्लास के साथ मनाया

बड़ा जैन मंदिर मे पार्श्वनाथ मण्डल विधान का समवशरण रचाया। इन्द्र इन्द्राणियो ने जमकर किया भक्ति नृत्य

निवाई. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में बडा. जैन मंदिर में जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा गाजेबाजे के साथ पार्श्वनाथ मण्डल विधान आयोजित किया गया जिसमें विधानाचार्य सुरेश कुमार शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा सभी इन्द्र इन्द्राणियो सहित सभी इन्द्रो ने भगवान पार्श्वनाथ एवं चंद्र प्रभु के अभिषेक एवं विश्व में शांति की कामना के लिए शांतिधारा की। इस दौरान जयकारों के साथ पार्श्वनाथ मण्डल विधान का शुभारंभ किया गया। विधान मे भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष श्रद्धालुओं द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि विधान के इन्द्र इन्द्राणियो द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई। इस दौरान विधान मे नवदेवता पूजा, चंद्र प्रभु पूजा, पार्श्वनाथ पूजा के साथ पार्श्वनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना की गई। विधान मे भजन गायकों द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई ।जिस पर सेकडों श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किए। जौंला ने बताया कि विधान मे इन्द्र इन्द्राणियो ने श्री फल अर्ध्य चडाक र पुण्यार्जन किया। विधान के अन्त मे पार्श्वनाथ भगवान की आरती उतारी गई। इस अवसर पर आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने धर्म सभा मे अपने मानव जन्म को सार्थक करने हेतु सम्बोधित करते हुए कहा कि जैसे चन्द्र प्रभु व पार्श्वनाथ भगवान ने अपने जन्म में असली धर्म का पुरुषार्थ करके मोक्ष प्राप्त कर जन्म का कल्याण किया है वैसे ही मानव जीवन मिला है तो कुछ करके दिखाओ जीवन मिला है तो कुछ बनके दिखाओ, जीवन को मिटना है तो मिट जाने दो पर उसके पहले कुछ बनके दिखाओ। उन्होंने कहा कि मानव ही है जो मिट सकता है और बन भी सकता है।अतः गुणीजनों की तरह अपने स्वार्थ को मिटा दो तो भगवान बनने मे देर नहीं लगेगी। अतः आज भगवान के जन्म कल्याणक पर अपने स्वार्थ, वैरभाव, राग द्वेष, कषाय, तथा अवगुणों को अपने देहरी पर विसर्जित करके आ जाना, यही धर्म है।और इसी मे आपके जीवन की सार्थकता है। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम के पश्चात आचार्य वर्धमान सागर महाराज के संधस्थ मुनि श्रेयस सागर महाराज के समाधिमरण हो जाने पर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा बडे जैन मंदिर में दो मिनट का मौन रखकर णमोकार महामंत्र का पठन किया गया।

विधान मे भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष श्रद्धालुओं द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि विधान के इन्द्र इन्द्राणियो द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई।

श्री महावीर कॉलेज में दो दिवसीय इंटर कॉलेजिएट यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान जूडो टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सोमवार, दिनांक 19 दिसंबर 2022 को श्री महावीर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय इंटर कॉलेजिएट जूडो टूनामेंट (पुरूष एवं महिला) का समापन किया गया। पुरुष में राजस्थान कॉलेज व महिला में एस एस जैन सुबोध पीजी कॉलेज प्रथम स्थान पर रही। वहीं एल बी एस कॉलेज (पुरूष) व महारानी कॉलेज (महिला) दूसरे स्थान पर रहा। 81 किलो से नीचे (पुरूष) की कैटेगरी में एस एस जैन सुबोध कॉमर्स व आर्ट्स कॉलेज तथा 100 किलो से उपर (पुरुष) की कैटेगरी में श्री महावीर कॉलेज ने स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता और उपविजेता को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनमोहन जयसवाल (जनरल सेकेटरी जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया) ने ट्रॉफी भेंट कर उत्साहवर्धन किया। वहीं शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संधी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला कॉलेज कन्वीनर प्रमोद पाटनी ने विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

तीर्थंकर ग्रुप की मीटिंग सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर की दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभूजी दुर्गापुरा में मीटिंग हुई। ग्रुप के सभी सदस्य मंदिर जी में एकत्रित होकर नमोकार व भक्तामर का पाठ किया तथा भगवान चन्द्र प्रभू की आरती की। श्रीमति मंजू पाण्डया, स्नेहलता, कल्पना वैद,नवरतन ठोलिया व डां शान्ति जैन 'मणि' ने मंगलाचरण किया। भगवान के चित्र का अनावरण डॉ. मनीष जैन 'मणि' ने व दीपप्रज्जवलन महेन्द्र सेठी ने किया। इसके पश्चात ग्रुप अध्यक्ष डां एम एल जैन 'मणि' ने सभी आगंतुक सदस्यों का स्वागत किया। बाद में ग्रुप की प्रथम महिला डां शान्ति जैन 'मणि' ने चन्द्र प्रभू भगवान व पार्वनाथ भगवान की जयन्ति के उपलक्ष्य में सदस्यों से उनके ऊपर प्रश्न पूछे व सही उत्तर देने वाले सदस्यों को अध्यक्ष व मंजी विजय चंद कासलीवाल ने पुरस्कार प्रदान किए। श्रीमति कल्पना वैद ने सदस्यों को धार्मिक हाऊजी व शादी सीजन की हाऊजी खिलाई जिसे सभी सदस्यों ने खूब मनोरंजक तरीके से खेला।

जवाहर नवोदय विद्यालय नांदला में पूर्व छात्र सम्मेलन सम्पन्न

रोहित जैन.शाबाश इंडिया

नसीराबाद। जवाहर विद्यालय नांदला में पूर्व छात्र सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएल शर्मा, उप जिला अधिकारी बांसवाड़ा तथा विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण शर्मा, अध्यक्ष पूर्व छात्र परिषद अजमेर तथा श्री विवेक गुप्ता पूर्व छात्र जवाहर नवोदय विद्यालय रहे। इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने विद्यालय में उनके द्वारा विद्यार्थी काल में बिताए गए समय को याद किया तथा सदैव विद्यालय के लिए अपना योगदान देने इच्छा जाहिर की ।

राजस्थान विश्व विद्यालय के पूर्व छात्रों की फेडरेशन का गठन, राजीव अरोड़ा प्रथम अध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज एक निजी होटल में यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान के पूर्व छात्रों बैच 1950 से 1990 तक के छात्रों की रि यूनियन आयोजित की गई। आयोजन अलका चौधरी,आलोक गुप्ता, अनिल गोयल, अंकुर गर्ग एवम नितिन भगेरिया ने आयोजित किया। आयोजन के मुख्य आकर्षण राजसिको चैयरमेन एवम यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र राजीव अरोड़ा रहे। आयोजन में वरिष्ठ पूर्व छात्र नवरतनमल सिंघवी, सुरेश सिंघवी, मणि बागड़ा, शरद मेहता, रोटेरियन सुधीर जैन, रोटेरियन आर एस गुप्ता, बसंत जैन, बसंत व्यास, शरद मेहता इत्यादि ने भी शिरकत की। राजीव अरोड़ा की अध्यक्षता में युनिराज एलुमिनी फेडरेशन की घोषणा हुई। अपने स्वागत व अध्यक्षीय भाषण में राजीव अरोड़ा ने विशेष तौर पर आमंत्रित यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान के वर्तमान उप कुलपति राजीव जैन को नव घोषित यूनिराज एलुमिनी फेडरेशन को पूर्ण सहयोग एवं मान्यता प्रदान करने की सिफारिश की। राजीव अरोड़ा ने कहा यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान के देश विदेश में रह रहे सभी पूर्व छात्रों को इस फेडरेशन से जोडा जा कर समाज, यूनिवर्सिटी एवम पूर्व छात्रों के वेलफेयर के लिए इस बैनर तले काम किया जाना प्रस्तावित है। अरोड़ा ने कहा आज जो बीजारोपण किया जा रहा है, जल्द ही ये एक मीठे फलदायक विशाल बगीचे का रूप लेकर यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रों के वेलफेयर को समर्पित होगा। राजीव अरोड़ा ने अपनी चिर परिचित शैली में कहा हमने यूनिवर्सिटी में सीखा, उस सीख से कमाया अब यूनिवर्सिटी को लौटाने का वक्त आया है, जिसमे हम सभी को हिस्सेदारी निभानी चाहिए। सभी उपस्थित पूर्व छात्रों को इस फेडरेशन के ब्रांड अंबेसडर की संज्ञा देते हुए

अपने स्वागत व अध्यक्षीय भाषण में राजीव अरोड़ा ने विशेष तौर पर आमंत्रित यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान के वर्तमान उप कुलपति राजीव जैन को नव घोषित यूनिराज एलुमिनी फेडरेशन को पूर्ण सहयोग एवं मान्यता प्रदान करने की सिफारिश की।

अरोड़ा ने आयोजकों एवं अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन में सभी छात्रों ने पुराने गीतों पर मौज मस्ती करते हुए आनंद उठाया। उप कुलपति ने राजीव अरोड़ा एवम फेडरेशन को विश्वास दिलाया की उनके सहयोग से अगले वर्ष एक बड़ा कार्यक्रम एलिमुनी छात्रों का विश्व विद्यालय में किया जाएगा ,प्रो निमाली सिंह को इसका समन्वयक नियुक्त किया है ।

तीये की बैठक

हमारी पूजनीया **श्रीमती ललिता देवी बोहरा**

पत्नी स्व. श्री हरकचन्द जी जैन बोहरा (पटवारी) का स्वर्गवास दिनांक 19.12.2022 को हो गया हैं।

तीये की बैठक दिनांक 21.12.2022 बुधवार को प्रातः 9:30 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर, कीर्ति नगर पर होगी। तत्पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुल:- अनिल-ज्योति (पुत्र-पुत्रवधु), विपुल-नेहा (पौत्र-पौत्रवधु), पिंकी-सलील (पौत्री-पौत्री दामाद), विमलादेवी, पुष्पादेवी, बाबूलाल- हीरादेवी, ताराचंद-स्नेहलता, कमलेश-गायत्री, दीपचंद-कुसुम (देवर-देवरानी), सुनील-सरोज, सुशील, मनोज-डिंपल, राकेश-मधु, मनीष-सोनू, अंकुर-प्रियंका, आशीष-आकांक्षा, प्रदीप, दीपेश-गरिमा (पुत्र-पुत्रवधू) एवं समस्त बोहरा परिवार, टहटड़ा वाले, जयपुर।

पीहरपक्ष: राजमल, प्रेमचंद,महावीर कुमार, ताराचंद ओमप्रकाश, प्रमोद एवं समस्त बैद परिवार, चैनपुरा वाले।

प्रतिष्ठान: चौधरी यात्रा कंपनी, एनलाइटेन | मो: 9414042749, 950972392

वेद ज्ञान

प्रभू का स्मरण

दरअसल परमात्मा को प्राप्त करने के लिए अपने जीवन को सांसारिक बंधनों से अलग करना पड़ता है, ताकि हमारी आंखों और कानों में संसार प्रवेश न कर सके। मंदिरों में जोर-जोर से मंत्र पाठ किया जाता है। घंटा, झाल, मृदंग, शंख और नगाड़े जोर से बजाए जाते हैं। इसका गहरा अर्थ है। इसका अर्थ है कि जब मंदिर में मंत्र पाठ होता हो, तो मंदिर के बाहर जो शोर-शराबा हो रहा है, उनकी आवाज मंदिर तक न पहुंचे, अगर पहुंचे भी तो नगाड़े की आवाज के नीचे दब जाए। मंत्र पाठ में कोई विघ्न न पड़े इसलिए शंख, मृदंग आदि बजाया जाता है। जब आप मौन पाठ करते हैं, तो किसी के पैर की ध्वनि से भी आपका ध्यान भंग हो जाता है, लेकिन जब आप स्वयं जोर-जोर से मंत्र पाठ करते हैं, तो किसी के आने-जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता। जोर से बोलकर प्रभु का नाम लेते हैं, जिससे आपका ध्यान केवल ईश्वर पर लग सके। आप पर बाहर का कोई प्रभाव न पड़ सके। सच पूछा जाए, तो स्मरण का मतलब है प्रभु से एकाकार हो जाना। प्रभु के नाम का स्मरण करते समय हमारा मन विचलित न हो, कहीं भागे नहीं, इसीलिए राम नाम का जाप किया जाता है ताकि काम, क्रोध का कोई प्रभाव हम पर न पड़े। जब बाहर का प्रभाव हमारे मन पर नहीं पड़ता है, तभी हमारा मन परमात्मा पर केंद्रित हो पाता है। मूल प्रश्न है कि अगर साधक का संयमपूर्वक परमात्मा पर ध्यान हो, तो किसी नाम के स्मरण का बहुत महत्व नहीं है। नाम स्मरण तो आपको प्रभु से जोड़ता है। प्रभु तक पहुंचाकर वह पीछे हट जाता है। आप मूर्ति पूजा करते हैं। मूर्ति पत्थर की बनी है। यह जो मूर्ति खड़ी है, वहां जाते ही हम अपने बाहर के विकारों को छोड़कर मूर्ति पर ध्यान लगाते हैं और वह मूर्ति अमूर्त बनकर हमें परमात्मा की अनुभूति करा देती है। मूर्ति परमात्मा की अनुभूति कराने का साधन है। ऐसा इसलिए, क्योंकि परमात्मा तो अमूर्त है। उस अमूर्त परमात्मा तक जाने के पहले हमें खुद अमूर्त बन जाना पड़ता है। यहां सारे विकारों को छोड़ देना पड़ता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि आप तो स्थूल हैं, परमात्मा सूक्ष्म है। स्थूल का सूक्ष्म से मिलन कैसे हो सकता है? इसलिए अपनी सारी स्थूलता को छोड़ना होगा। नाम का स्मरण परमात्मा तक पहुंचाता है। नाम अंगुली पकड़कर परमात्मा के दरवाजे तक पहुंचा देता है। अब आप परमात्मा की अनुभूति करें, लेकिन उसके पहले व्रत, कीर्तन, भजन जो नाम-स्मरण की प्रक्रिया हैं, करके पहले अपने विकारों को नष्ट करें क्योंकि परमात्मा को निर्मलता पसंद है।

संपादकीय

भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की योजना

कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि मोदी सरकार मार्च-अप्रैल 2020 में चीनी सेना (पीएलए) द्वारा भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करके देश के किए गए अपमान को कभी मिटा नहीं पाएगी। प्रधानमंत्री मोदी को इस बात का अफसोस होना चाहिए कि जब 11 अक्तूबर, 2019 को वे तमिलनाडु के महाबलिपुरम में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ झूले पर बैठे थे, तब वे उनकी मंशा को ठीक से भांप नहीं पाए। यहां तक कि जब झूला ठंडी समुद्री हवा में धीरे-धीरे झूल रहा था, उस समय तक चीन की सेना (पीएलए) भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की योजना के साथ बहुत आगे बढ़ चुकी थी। 1 जनवरी, 2020 को राष्ट्रपति शी ने सैन्य कार्रवाई को अंजाम देने वाले आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए थे। मार्च-अप्रैल, 2020 में पीएलए के जवान भारतीय क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा को

पार कर चुके थे। 19 जून, 2020 को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में, प्रधानमंत्री ने अपने समापन भाषण में कहा था कि किसी भी बाहरी व्यक्ति ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ नहीं की है और न ही कोई बाहरी व्यक्ति भारतीय क्षेत्र के अंदर था। माननीय प्रधानमंत्री के इन शब्दों पर कोई भी विश्वास कर लेता, मगर बहुत सारे तथ्य इसके खिलाफ हैं। शायद प्रधानमंत्री मोदी निश्चित रूप से मानते हैं कि देश के लोग उन तनाव भरे दिनों को भूल गए हैं। वे बिल्कुल सही हैं। ऐसा लगता है कि लोग बाकी सभी बुरे निर्णयों और गलत कदमों को भी भूल गए हैं- विमुद्रीकरण, चेतावनी दिए बिना पूर्णबंदी, गरीबों का सबसे बड़ा आंतरिक पलायन (कुछ अनुमानों के मुताबिक यह संख्या तीन करोड़ है), मानव निर्मित आक्सीजन की कमी, नदी में तैरती लाशें, नमस्ते ट्रंप रैली और यहां तक कि सबसे ताजा आपदा, मोरबी नदी में पुल का गिरना। मार्च-अप्रैल, 2020 के बाद से, भारत और चीन द्वारा साझा की जाने वाली 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा पर स्थिति और बदतर हो गई है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग इलाके के यांग्त्से में 9 दिसंबर, 2022 की ताजा घटना इस कड़वी सच्चाई को बयान करती है: चीन ने समय और स्थान तय करके भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर दी, मगर सरकार को इसकी कोई भनक तक नहीं मिल पाई। इसलिए कि इसे लेकर कोई नीति नहीं है। शुक्र है, हमारी सेनाएं हर घुसपैठ का मुकाबला करने में सक्षम हैं और इस प्रक्रिया में हताहतों की पीड़ा सहन कर लेती हैं। जून, 2020 में गलवान में बीस जवानों की जान चली गई थी। अरुणाचल प्रदेश में दिसंबर, 2022 की घटना के बारे में सरकार ने स्वीकार किया है कि सात सैनिक घायल हुए, जबकि अन्य रिपोर्टें बताती हैं कि इससे अधिक सैनिक घायल हुए हैं। सवाल है कि चीन को अपनी पसंद का समय और स्थान चुन कर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने का साहस और विश्वास कैसे पैदा होता है? अन्य बातों के साथ-साथ यह सवाल भी उठता है कि क्यों जब इस विषय पर संसद 13, 14 और 15 दिसंबर को चर्चा करना चाहती थी, तो दोनों पीठासीन अधिकारियों ने इस अनुरोध को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मामला संवेदनशील है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बचपन और चुनौती

हाल में विश्व बैंक के एक अध्ययन में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि भारत में यौन शोषण के मामलों में सजा पाने वाले दोषियों से करीब तीन गुना ज्यादा संख्या बरी होने वालों की है। हालांकि बच्चों को इंसाफ दिलाने के लिए 2012 में पाक्सो (प्रोटेक्शन आफ चिल्ड्रन फ्राम सेक्सुअल अफेंसेस) कानून लागू किया गया था। मगर अब भी अधिकांश राज्यों में बच्चों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा। पाक्सो कानून के तहत नाबालिग के प्रति यौन उत्पीड़न तथा यौन शोषण जैसे अपराध और छेड़छाड़ के मामले में कार्रवाई की जाती है। इसके तहत बारह वर्ष तक की बच्ची से बलात्कार के दोषियों को मौत की सजा भी सुनाई जा सकती है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2007 में बाल शोध अध्ययन रिपोर्ट में बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए एक सख्त कानून बनाने की सिफारिश की थी। उसी के आधार पर यह कानून बनाया गया था। इस कानून का मुख्य उद्देश्य अठारह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन दुर्व्यवहार तथा लैंगिक हमलों से सुरक्षा प्रदान करना और उनमें शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक, सामाजिक विकास को सुनिश्चित करने का अवसर देना भी शामिल है। चिंता की बात है कि इस कानून के तहत जितने दोषियों को सजा मिल रही है, उससे तीन गुना ज्यादा रिहा हो रहे हैं। इस मामले में सबसे बुरा हाल आंध्र प्रदेश का है, जहां पाक्सो कानून के सबसे ज्यादा आरोपी बरी हो रहे हैं। वहां एक आरोपी दोषी ठहराया जाता है, तो सात मामलों में आरोपी बरी हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल में भी एक दोषी तो पांच आरोपी बरी हो रहे हैं। देश भर में करीब चौरानबे फीसद मामलों में ऐसा ही हो रहा है। इसी पर चिंता जताते हुए पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पाक्सो अधिनियम के तहत दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति की अपील खारिज करते हुए टिप्पणी की थी कि इस कानून के तहत अपराध करने वाले व्यक्तियों के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। खंडपीठ का कहना था कि यौन उत्पीड़न और यौन हमले की प्रकृति के अनुरूप उपयुक्त सजा देकर समाज को बड़े पैमाने पर संदेश दिया जाना चाहिए। मगर देश की पाक्सो अदालतों में लंबित मामले प्रतिवर्ष बीस फीसद से ज्यादा की दर से बढ़ रहे हैं। 2012 में बच्चों से बलात्कार के 8,541 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2021 में इनकी संख्या 83,348 हो गई। उत्तर प्रदेश में पाक्सो के सबसे ज्यादा मामले लंबित हैं। वहां नवंबर 2012 से फरवरी 2021 के बीच इस कानून के तहत दर्ज मामलों में से 77.77 फीसद लंबित पाए गए। पश्चिम बंगाल में 74.6, बिहार में 67.6, महाराष्ट्र में 60.2, गुजरात में 51.5, कर्नाटक में 45.5, हरियाणा में 41.4, झारखंड में 38.6, पंजाब में 36, चंडीगढ़ में 35, आंध्र प्रदेश में 33.5, राजस्थान में 24.9 तथा तमिलनाडु में 19.7 फीसद मामले पाक्सो अदालतों में लंबित हैं। इन मामलों के निपटारे की रफ्तार भी साल-दर-साल धीमी हो रही है। पाक्सो कानून के तहत एक वर्ष की अधिकतम अवधि में फैसला हो जाना चाहिए, लेकिन देश में पाक्सो का एक मामला निपटाने में औसतन पांच सौ दस दिन का समय लग रहा है। दस फीसद से भी ज्यादा मामलों में तीन साल से ज्यादा समय लग रहा है।

नो फणी भगवान पार्श्वनाथ की वृहद शांति धारा की

श्री जी को रथ में विराजमान कर नगर परिक्रमा लगाई, श्री जी का वार्षिक कलशाभिषेक समारोह

निमोला, टोंक. शाबाश इंडिया

श्री 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र निमोला में आयोजित भगवान पार्श्वनाथ के जन्म व तप कल्याणक महोत्सव एवं दो दिवसीय वार्षिक उत्सव के तहत सोमवार को प्रातः भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ वृहद शांतिधारा कर भगवान का 2899 वाँ जन्म जयन्ती महोत्सव मनाया गया नो फणी भगवान पार्श्वनाथ की पूजा कर भगवान को अर्ध्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए। पंडित मनोज शास्त्री के सानिध्य में उपस्थित इंद्र इंद्राणीयो ने भगवान पार्श्वनाथ को 148 अर्ध्य एवं श्री फल चढ़ाए। अतिशय क्षेत्र निमोला प्रबंध समिति के अध्यक्ष कपूरचंद पाटोदी एवं बाबूलाल जैन ने बताया कि दोपहर में मेले की शुरूआत करते हुए सर्वप्रथम शिखर चंद, आभा देवी, हार्दिक कुमार, अभिनंदन पाटोदी धुआं वाले ने झंडारोहण किया। नंदलाल मुन्नी देवी के द्वारा अखंड दीप प्रज्वलन किया गया ।चित्र अनावरण महावीर प्रसाद, मेना देवी, विक्रम कुमार पराना वालों ने किया ।समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि इस अवसर पर श्री जी को सिर पर धारण कर रथ में विराजमान किया गया। तत्पश्चात एक विशाल शोभायात्रा मंदिर से रवाना होकर संपूर्ण निमोला ग्राम में परिक्रमा लगाते हुए पांडाल परिसर में पहुंची। शोभायात्रा में जैन समाज के महिला पुरुष नाचते गाते भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे लगाते हाथों में केसरिया ध्वज थामे हुए चल रहे थे।समाज के युवा श्री जी के रथ को अपने हाथों से खींचकर चला रहे थे ।श्रावकों ने रथ यात्रा का अपने घरों के सामने भगवान की आरती उतारकर श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। पांडाल परिसर में रजत जड़ित समोशरण में विराजमान कर करतल ध्वनियो एवं भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों के साथ श्री जी का जलाभिषेक किया गया। समिति के कोषाध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर अतिथियों में ज्ञान चंद सोगानी , हुकुमचंद जैन प्रकाश जैन पटवारी, पदम जैन आलियारी वाले, रमेश काला, अशोक बज ,शेलेन्द्र मारवाड़ा, शिखर चंद पटौदी, प्रकाश चंद,पदम कुमार, सहित नगर, नैनवा, पीपलू, कोटा, जयपुर, दिल्ली, बूंदी, उनियारा, धूआँ, देवली, टोडा, मालपुरा, निवाई, अलीगढ आदि स्थानों से पधारे हुए श्रद्धालु मौजूद थे। अतिथियों का प्रबंध समिति की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया । सांयकाल भगवान पार्श्वनाथ की महाआरती की गई।

ज़िन्दगी में यदि खुश होकर जीना है, तो दूसरों की ज़िन्दगी में अपनी जगह ढूंढना बन्द करो

अन्यथा ज़िन्दगी भर रोते ही रहोगे : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

दूसरों के जुड़ने और जोड़ने के कारण ही हमारे अन्दर पाप और बुराईयों का समावेश होता रहता है। आदमी पाप क्यों करता है? सिर्फ काम, क्रोध और इच्छाओं की पूर्ति के खातिर आदमी इतने पाप कर लेता है, कि उन पापों के बोझ से कमर झुक जाती है और फिर पाप का बोझ ढ़ो नहीं पाता है। कामना-वासना आदमी को अन्धा बना देती है। क्रोध में आदमी होशो हवास खो देता है, और इच्छाओं की पूर्ति के लिये आदमी, ना दिन देखता है ना रात। आदमी भूल जाता है कि क्या अच्छा और क्या बुरा कर रहा हूँ मैं? आदमी गहरी मूर्च्छा और मूढ़ता में यही भूल जाता है कि इसका अन्जाम हमको ही भोगना पड़ेगा, फिर अच्छे और बुरे का विवेक ही नष्ट हो जाता है। इसलिए मैं कह रहा हूँ - 23 घन्टे सबसे बात करो लेकिन एक घन्टे सब कुछ छोड़कर स्वयं से बात और सवाद करो। इससे हमें अच्छे और बुरे कार्य करने का बोध होगा और परमात्मा से निकटता बढ़ेगी। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

अहमदाबाद में मुनिश्री पधारे ऐतिहासिक स्थलों पर

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया

युगप्रधान शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमार नचिकेता आदित्य मुनि आदि ठाणा 2 अहमदाबाद के उपनगरीय परिभ्रमण के दौरान अनेक ऐतिहासिक स्थलों पर पधारे। उसमें भारत आजादी आंदोलन के कर्णधार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रवास- निवास स्थल साबरमती गांधी आश्रम का अवलोकन किया। मुनिश्री की सेवा में तेरापंथी सभा अहमदाबाद उत्तर मोटेरा कलातीर्थ के भरत गोगड़, अभिषेक वडेरा, सतीश गोठी, विनोद सकलेचा, सुनील सकलेचा, नरेश गोगड़ अभिषेक भंसाली, पुष्पक सकलेचा, सुनील चोपड़ा, शुभम बालड, प्रकाशजी धींग आदि अनेक कार्यकर्ता सेवा में थे। अहमदाबाद की प्रसिद्ध झील कांकरिया लेक पर भी मुनि श्री पधारें। मुनिश्री गांधीनगर कोबा के महावीर आराधना केंद्र में भी पधारे। आचार्यश्री कैलाश सागरसूरी ज्ञान भंडार में प्राचीन मूर्तियां तथा हस्तलिखित ताडपत्री, पाषाण, वस्त्र एवं कागज के ग्रंथों के संरक्षण के विभिन्न विधियों की व्यवस्थित उपक्रम तथा तीन लाख जैन धर्म के ग्रंथों की संपूर्ण भारत में एकमेव विशाल लाइब्रेरी का अवलोकन किया। आराधना केंद्र के इंचार्ज ओझा सर ने मुनिश्री का स्वागत करते हुए प्राचीन ग्रंथों के संदर्भ में विस्तार से समझाया तथा संस्थान की गतिविधियों के बारे में बताया। मुनिश्री के साथ अभातेयुप के उपाध्यक्ष जयेश मेहता अहमदाबाद तेयुप के अध्यक्ष अरविंद संकलेचा, प्रकाश डांगी, आकाश भंसाली, अभिषेक धूपिया, अरविंद छाजेड़ तथा अरविंदजी दुगड सेवा में थे।

जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु जी एवं 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथजी का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्र प्रभु एवं 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस सोमवार,19 दिसम्बर को प्रातः श्री दिगंबर जैन मंदिर महारानी फार्म में भक्ति भाव से मनाया गया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि अशोक- अतुल बिलाला ने प्रथम अभिषेक शांतिधारा की। तत्पश्चात मंत्रोच्चार के साथ जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया महाआरती की गयी। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, उपाध्यक्ष अरुण शाह, मंत्री राजेश बोहरा एवं अन्य पदाधिकारी, गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए।

चंद्रप्रभु भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया

108 रिद्धि कलशों से श्रीजी का अभिषेक किया। चांदी की पालकी में श्रीजी को विराजमान कर शोभा यात्रा निकाली

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापंथीयान माणक चौक पुरानी टोंक में सोमवार को भगवान चंद्रप्रभु का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि पोष कृष्ण एकादशी के अवसर पर श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापंथीयान पुरानी टोंक में चंद्रप्रभु भगवान, पार्श्वनाथ भगवान,आदिनाथ भगवान की 108 ऋद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ अभिषेक एवं वृहद शांति धारा की गई । शांति धारा में 195 पुण्यार्जक श्रावक श्रेष्ठि के नाम के उच्चारण के साथ मूलनायक चंद्रप्रभु भगवान की शांति धारा चेतन कुमार , सुशील कुमार पार्श्वनाथ भगवान की शांति धारा, देवराज, राजेश कुमार काला आदिनाथ भगवान की शांति धारा, प्रेमचंद, सूरज मल जैन सोनी के परिवार को करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । तत्पश्चात नित्य नियम पूजा,चंद्रप्रभु पूजा, पारसनाथ पूजा, आदिनाथ पूजा, 24 तीर्थंकर की पूजा कर जन्म कल्याणक की शोभायात्रा निकाली गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष देवराज काला एवं मंत्री चेतन बिलासपुरिया ने बताया कि शोभा यात्रा के तहत श्री जी को गंगा जमुना कलर युक्त पालकी में रजत सिंहासन पर विराजमान करने का सौभाग्य कमल कुमार, विमल कुमार बिलासपुरिया के परिवार को मिला । पालकी को श्रावक अपने कंधों पर उठाकर चल रहे थे। गाजे-बाजे के साथ छतरी धारी सेवक, बल्लम धारी सेवक एवं समाज के महिलाएं केसरिया वस्त्र धारण किए हुए, पुरुष सफेद वस्त्र धारण किए हुए जैन ध्वज हाथों में लेकर भक्ति भाव के साथ नाचते गाते चल रहे थे । शोभा यात्रा का समाज के लोगों ने अपने घरों के बाहर रंगोली बनाकर स्वागत किया एवं श्री जी की आरती कर आशीर्वाद लिया। मधु लुहाड़िया ने बताया कि शोभा यात्रा में नैतिक महिला मंडल की संगीता, सीमा, सुरभि, सोनिया, प्रीति, प्रियंका आदि डांडिया के साथ भक्ति नृत्य करते हुए चल रही थी। चंद्रप्रभु महिला मंडल की आशा, कविता, आभा, श्वेता, मंजू, अलका आदि हाथ में केसरिया ध्वज लहराते हुए तथा कनक महिला मंडल की मधु, इंदिरा, चमेली, चंद्रकांता, उषा, संजू आदि श्री जी के चँवर डुलाते हुए चल रही थी। नवीन जैन ने बताया कि शोभायात्रा चंद्रप्रभु मंदिर से रवाना होकर माणक चौक नया मंदिर मार्ग छोटा बाजार बाबरो का चौक होते हुए महावीर चौक पहुँची। महावीर चौक से पुनः मियां का चौक पाटनीयों का मोहल्ला रामशिला होते हुए संत भवन पांच मंदिर में पहुंची । जहां पर समाज की ओर से लोगों को एवं पधारे हुए अतिथियों का स्वागत किया गया ।

दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ द्वारा विशाल मौन जुलूस निकला

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

जैन धर्म की आन बान शान का प्रतीक श्री तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी(झारखंड) को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने के विरोध में श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ द्वारा विशाल मोन जुलुस निकला गया। जिसमे सैकड़ों की संख्या में जैन समाज के महिला व पुरुष वर्ग की उपस्थिति रही। मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड स्थित पारसनाथ पर्वत (सम्मेद शिखर) जैन समुदाय का सर्वोच्च आस्था का केंद्र है। झारखंड सरकार द्वारा उसे पर्यटन क्षेत्र घोषित करने से जैन समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। इस संबंध में 10:00 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर से विशाल मोन जुलुस निकला जिसमे पुरुष श्वेत वस्त्र व महिला गुलाबी परिधान में हाथों में तख्तियां एवं जैन ध्वज लिए चल रही थी। तख्तियों में ''सम्मेद शिखर बचाओ'', ''धार्मिक स्थल घोषित करो'' ''तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ'' पर्यटन स्थल का कानून रद्द करें के नारे लिखे हुए थे। जुलुस नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए उप जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय पहुंचा। श्री दिगम्बर जैन समाज के मंत्री पारसमल बगड़ा, उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, उपमंत्री रौनक पांड्या,महिला मंडल की अध्यक्ष ललिता देवी बगड़ा, मंत्री मैना देवी पाटनी, के नेतृत्व में उप जिला कलेक्टर भागीरथ चौधरी को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री, झारखंड के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पारसनाथ पर्वतराज को वन्यजीव अभ्यारण, पर्यावरण पर्यटन के लिए घोषित इको सेंसेटिव जोन के अंतर्गत जोनल मास्टर प्लान व पर्यटन प्लान पर्यटन की सूची से बाहर किया जाए। 20 जैन तीर्थंकरों और अन्य साधु संतों की मोक्ष स्थली श्री सम्मेद शिखरजी पारसनाथ पर्वतराज गिरिडीह (झारखंड) की स्वतंत्र पहचान, पवित्रता संरक्षण व सरकार की अनुशंसा वाली अधिसूचना को रद्द करने व पारसनाथ पर्वतराज और मधुबन को मांस मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र जैन तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग ज्ञापन में की गई हैं। झारखंड सरकार की सद्बुद्धि के लिए जैन समुदाय के लोगो ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर णमोकार महामंत्र का जाप किया इस अवसर पर खेमचंद बगड़ा,विमल पाटनी,निहालचंद बगड़ा,संतोष गंगवाल, पारसमल सेठी, सरोज पाटनी, संतोष कुमार बगड़ा,कमल कुमार छाबड़ा, सुरेंद्र बगड़ा, मुकेश कुमार बगड़ा,

श्री दिगम्बर जैन समाज के मंत्री पारसमल बगड़ा, उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, उपमंत्री रौनक पांड्या,महिला मंडल की अध्यक्ष ललिता देवी बगड़ा, मंत्री मैना देवी पाटनी, के नेतृत्व में उप जिला कलेक्टर भागीरथ चौधरी को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री, झारखंड के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

महक पाटनी,मनीष बगड़ा, नवीन बगड़ा, मखनलाल सेठी,चंचल गंगवाल,सुरेंद्र सोगानी,विनीत बगड़ा,मोहित सेठी,मितेश सेठी,अमन बगड़ा,सुरेश छाबड़ा,पार्षद उषा बगड़ा,गणपति देवी बगड़ा,प्रेमलता देवी बगड़ा,मंजू देवी बाकलीवाल, मंजू देवी पाटनी, प्रीति बगड़ा, शकुंतला बगड़ा,रानी पांड्या, वीणा देवी छाबड़ा,प्रीति छाबड़ा, सोनिया बगड़ा,पायल सेठी,सहित सैकड़ों की संख्या में जैन समुदाय के लोग उपस्थित थे।

आमेर में भगवान चन्द्रप्रभ एवं पार्श्व नाथ जी का जन्म एवं तप कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के नजदीक आमेर की सुरम्य वादियों में श्री दिगंबर जैन मंदिर नेमीनाथ (सांवला जी) आमेर परिसर में अति प्राचीन श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभु जी स्थापित है जिसके प्रबन्धकर्ता प्रबन्धकारिणी समिति दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी है। क्षेत्र के मानद मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि शनिवार दि० 19 दिसंबर 2022 को देवाधिदेव 1008 श्री चन्द्रप्रभ एवं 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस शुभ अवसर पर क्षेत्र की अन्य मन्दिरान व्यवस्था समिति के सदस्य योगेश टोडरका ,सहित प्रदीप ठोलिया व साधर्मी लोगो ने श्रीजी का अभिषेक, शांति धारा के उपरांत भगवान 1008 श्री चंद्रप्रभु एवं 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान की पूजा अर्चना कर जन्म एवं तप कल्याण के अर्घ चढ़ाये गए।

नि:शुल्क मेगा बहुद्देश्यीय चिकित्सा शिविर के पोस्टर का विमोचन डॉ. सौम्या गुर्जर, महापौर ने किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगमबर जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर (अंतर्गत दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन, जयपुर) द्वारा दिनाँक 25 दिसंबर को जैन मंदिर पार्क, मुरलीपुरा में निःशुल्क मेगा बहुद्देश्यीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, शिविर के पोस्टर का विमोचन दिनाँक 19 दिसंबर को डॉ. सौम्या गुर्जर, महापौर ग्रेटर नगर निगम, जयपुर द्वारा उनके निवास स्थान पर किया गया । इस अवसर पर नीरज जैन, पंकज जैन, ममता शर्मा, मनोज कुमार शर्मा (एडवोकेट), रेखा जैन, कशिश जैन की उपस्थिति रही।

JSG सनशाइन, ब्यावर का अंडरआर्म क्रिकेट टूर्नामेंट 22-23 का फाइनल सम्पन्न

अमित गोधा.शाबाश इंडिया

ब्यावर। जैन सोशल ग्रुप 'सनशाइन' द्वारा अपने सदस्यों हेतु अंडरआर्म क्रिकेट टूर्नामेंट 2022-23 का आयोजन किया गया। यह टूर्नामेंट 14 दिसम्बर से प्रारंभ हुआ एवं इसका समापन 18 दिसम्बर को सम्पन्न हुआ। संस्था सचिव रूपेश कोठारी ने बताया कि संस्था गत 5 वर्ष से अपने सदस्यों के लिए दिसम्बर माह में अंडरआर्म क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करती हैं। इस टूर्नामेंट में 7 पुरुष सदस्यों की टीम्स, 2 महिला सदस्यों की टीम एवं 5 बच्चों की टीम में 135 खिलाड़ीयों ने भाग लिया रविवार देर शाम को सभी वर्ग के फाइनल बोहरा गार्डन में सम्पन्न करवाए गए।

पुरूष वर्ग में टीम अशोक श्रीश्रीमाल, महिला वर्ग में टीम आकांक्षा बुरड़ बने चेम्पियन

पुरुष वर्ग में टीम अशोक श्रीश्रीमाल एवं टीम मनीष मेहता के मध्य फाइनल मैच खेला गया। पहले बेटिंग करते हुए विशाल नाहर की आक्रमक 81 रन की पारी की बदौलत 8 ओवर में 120 रन का लक्ष्य रखा, परन्तु विपक्षी टीम के कप्तान मनीष मेहता के तेज अर्धशतक बाद भी टीम 8 ओवर में जीत के लिए आवश्यक रन नही बना सकी। महिला वर्ग के मध्य हुये रोमांचक मैच में टीम आकांक्षा बुरड़ ने टीम शिल्पा बोहरा पर विजय हासिल की। सभी दर्शकों ने दोनों टीम के शानदार खेल को सराहा। सीनियर बच्चों के मध्य हुए फाइनल में टीम भव्य सोनी ने टीम प्रथम बम्ब पर विजय हासिल की। जूनियर बच्चों में हुई खिताबी मैच में टीम कविष गोधा ने मैच की अंतिम बॉल पर टीम विहान कोठारी पर जीत हासिल की।

रीजन अध्यक्ष राजेन्द्र ढाबरिया समारोह के मुख्य अतिथि

अध्यक्ष अरुण रुनिवाल ने बताया कि फाइनल मैच एवं अवार्ड वितरण समारोह के मुख्य अतिथि जेएसजीआईएफ के नार्थन रीजन के अध्यक्ष राजेन्द्र जी एवं संगीता जी ढाबरीया और रीजन उपाध्यक्ष पंकज जी जैन विशिष्ट अतिथि थे। संस्था द्वारा अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर एवं तिलक लगाकर पाराम्परिक रूप से स्वागत किया गया। अतिथियों द्वारा सनसाइन सदस्यों को शानदार टूर्नामेंट आयोजन के लिए बधाई देते हुये संस्था के प्रयासों को सराहा। फाइनल मैच के बाद विजेताओं, उप विजेता टीमों को, विभिन्न मैच के मैन आफ दी मैच के पुरस्कारों का वितरण किया गया। सर्वाधिक रन बनाने वाले विशाल नाहर सर्वश्रेष्ठ बैट्समैन एवं सर्वाधिक विकेट लेने वाले दीपेश डोसी सर्वश्रेष्ठ बॉलर की ट्राफी से नवाजे गए।

समारोह आयोजन की तैयारियां में सभी सदस्यों का सहयोग रहा

समारोह में संस्थापक अध्यक्ष वैभव सुखलेचा, विक्रम सांखला, मनीष रांका, प्रतीक खटोड़, महेंद्र नाहटा, मनीष मेहता, संदीप नाहटा, पंकज जैन, अमित कवाड़, राहुल बरडिया, अशोक श्रीश्रीमाल, पंकज ओस्तवाल, नरेन्द्र सुराणा, प्रदीप सांड, आकांक्षा बुरड़, शिल्पा बोहरा, मोक्षा पीपाड़ा, प्रथम बम्ब, भव्य सोनी, कविश गोधा, विहान कोठारी, राहुल बाबेल, विकास श्रीश्रीमाल, रजत श्रीश्रीमाल, दीपेश जैन, करन कोठारी, गौरव कोठारी, कुलदीप, जिनेन्द्र मुणोत, भूपेश भंसाली, हिरेन भंडारी, दिनेश कांस्टिया, महावीर आबड़, कमल पगारिया, रचना रुनिवाल, पुजा कोठारी, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

अध्यक्ष पद पर पलाश जैन तो वहीं मंत्री पद पर रोशील जैन निर्वाचित

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

जैन समाज का मूल मंत्र ''मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवो से नित्य रहे'' को चरितार्थ करने वाली संस्था अरिहंत ग्रुप की नवीन कार्यकारिणी मनोनीतकी गई। जिसमें अध्यक्ष पद पर पलाश जैन चयनित हुए तो वही मंत्री के पद पर रोशील जैन ।साथ ही तीन प्रमुख पदों को भी चयनित किया गया ।जिसमें की उपाध्यक्ष के पद पर यश जैन ,महामंत्री के पद पर सम्यक जैन एवं कोषाध्यक्ष के पद को अभिषेक जैन भारत सुशोभित कर रहे हैं। यह चुनाव सर्वसम्मति से निर्विघ्न संपन्न हुआ और साथ ही शपथ लेते हुए नवीन अध्यक्ष पद को सुशोभित करने वाले पलाश जैन ने बताया कि भूत कालीन कार्यकारिणी ने जो भी कार्य किए वह अविस्मरणीय थे और उनके कार्यकाल में समाज हित के लिए अनेक कार्य प्रस्तावित रहेंगे और समय-समय पर समाज हित के कार्यों में अपनी कार्यकारिणी एवं संपूर्ण ग्रुप के साथ समाज हित के कार्य को निरंतर संलग्न रहने का वादा किया।इस अवसर पर ग्रुप के वरिष्ठ पदाधिकारी संरक्षक वर्धमान जैन, विशाल जैन, सिद्धार्थ जैन, मनन जैन, आर्चित कंसल, पुलकित चौधरी ,प्रतीक जैन ,अभिषेक जैन अंकित जैन ,अक्षय चौधरी, वैभव जैन एवं समस्त सदस्य आदि मौजूद रहे ।साथ ही समाज के वरिष्ठ जनो ने भी नई कार्यकारिणी को शुभकामना के साथ आशीर्वाद और मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया है।

लाल किले मे जिनेन्द्र महाअर्चना व जैनेश्वरी दीक्षा का विशाल आयोजन हुआ

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

लाल किले पर राष्ट्र सन्त मुनी श्री विहर्षसागर जी महाराज के आव्हान पर आयोजित जिनेन्द्र महाअर्चना व जैनेश्वरी दीक्षा के विशाल आयोजन हुआ। इस आयोजन मे हजारो की संख्या मे पधारी भीड का आलम यह था कि न केवल विशाल पंडाल खचा खच भरा हुआ था, बल्कि बाहर किले के मैदान पर व मुख्य सडक व सामने लाल मन्दिर तक हजारो हजारो सर ही सर दिखाई दीये। कार्यक्रम मे जहां दिल्ली व भारत कि जैन समाज की बडी बडी हस्तियां मौजूद धी, वहीं भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता डा हर्षवर्धन जी, दुष्यंत गौतम , मनोज तिवारी, श्वेतांबर सन्त लोकेश महाराज,महन्त कालीदास समेत, श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र जैन, पदम प्रभु मानव कल्याण फाउंडेशन के अध्यक्ष साहिल जैन पश्चिम बंगाल, ग्लोबल महासभा के अध्यक्ष गजराज गंगवाल, दिगंबर जैन महासभा के अध्यक्ष जमुना लाल जैन, राजनीति चेतना मंच के सुमित जैन, महालक्ष्मी चैनल के संस्थापक एवं कई चैनल उपस्थिति रही। सभी ने मुहीम का समर्थन कर, सम्मेद शिखर अध्यादेश मे उचित संशोधन कराने का वायदा किया ।

पगड़ी रस्म

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे आदरणीय

स्व. श्री सियाराम शरण जैन

का आकस्मिक निधन शुक्रवार दिनांक 09.12.2022 को हो गया है।

कार्यक्रम पगड़ी रस्म

मंगलवार दिनांक 20 दिसम्बर 2022
प्रसादी - दोपहर 1 बजे से 3 तक
पगड़ी रस्म - दोपहर 3 बजे से
निवास स्थान - 13, मीरा मार्ग, आमेर रोड, जयपुर

: शोकाकुल परिवार :

अनिता जैन पार्षद - वार्ड नं. 21 (धर्मपत्नि), बसंत - निर्मला जैन (भाई - भाभी)
वीर (अंशु)-हीना, ऋषभ-मेघा (पुत्र-पुत्रवधू), मानसी (पुत्री) अवनी, स्तवराज, आर्यव, आदविक (पौत्री-पौत्र)
अर्पित-सोनाली, अंकित-सुरभि (भतीजे - बहु), अदिती-सुभांषु जी (भतीजी - जमाई)
सरला -स्व. श्री अतरचन्द, सावित्री - स्व. श्री गणेश गुप्ता,
शकुन्तला - स्वदेश जी, सुरबाला - प्रवीण जी (बहन - बहनोई)
दीपक -अर्चना, ओमप्रकाश-प्रीति, केदार-जिज्ञासा, ज्योति -मेरु , अमर-संचिता, अक्षय -कनिष्का,
हितेश-शिल्पी, प्रखर-मोनिका (भांजे - बहु) पुष्पा-राकेश जी, रेखा-मनोज जी, कुमकुम-सुरेन्द्र जी
निधी -विजय जी, विधी -नितिन जी, प्राची-सिद्धार्थ जी (भांजी-जंवाई)
रामवतार, नंदलाल, कैलाश, विरेन्द्र जैन (चाचा), विनोद, विजय, विनय, सुभाष, विमल, संदीप जैन (भाई)
एवं समस्त जैन चौधरी परिवार विराट नगर वाले
सुसराल पक्ष : सतीश-वीना जी, स्व. श्री सुशील-शोभा जी, स्व. श्री संजीव-अचला जी, राजीव-प्रभा जी (दिल्ली वाले)

प्रतिष्ठान : अनिता प्रिंटर्स, सरस्वती पेपर एण्ड् प्रिंटिंग इण्डस्ट्रीज, आमेर रोड़, जयपुर
मो.: 8114417253, 9928358121, 6350318399

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

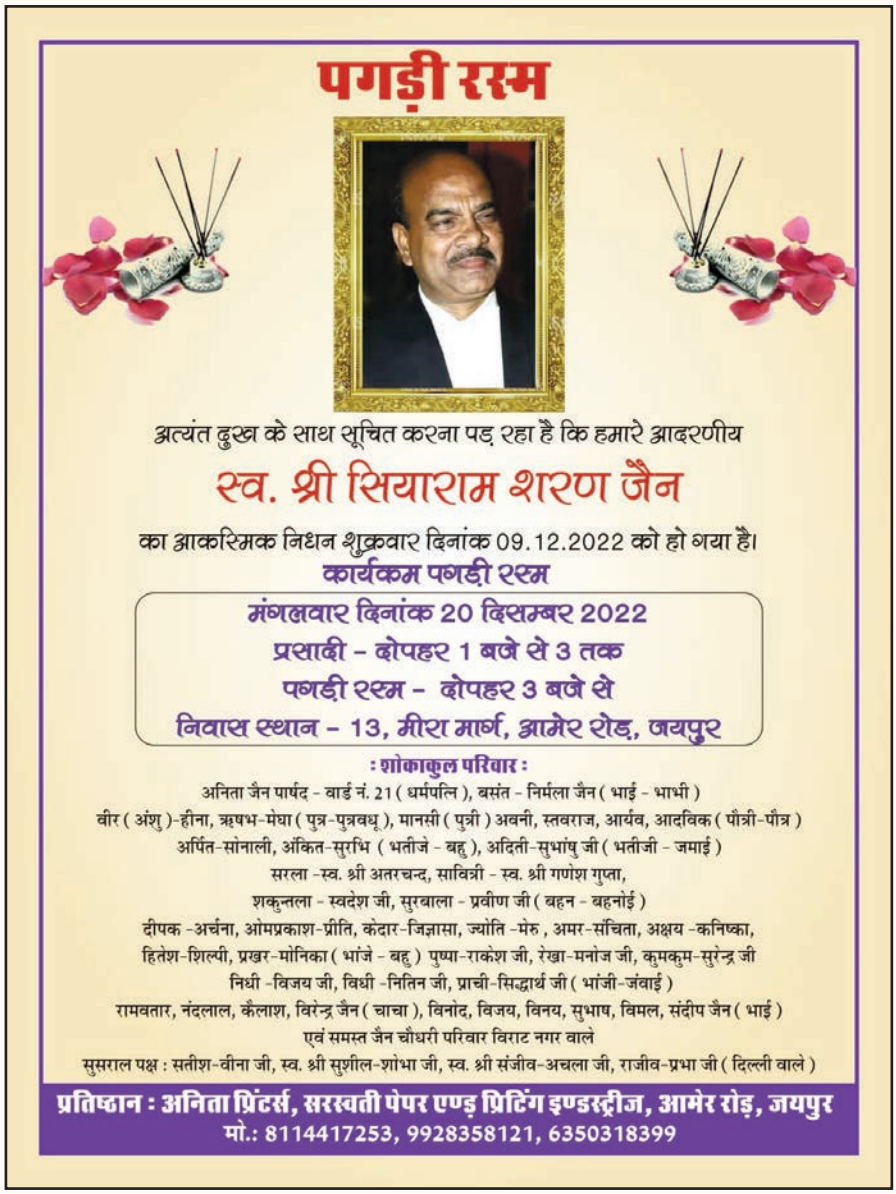

सम्मेदशिखर पवित्र क्षेत्र घोषित की मांग को लेकर जैन समाज के बच्चे, युवा व बुजुर्ग उतरे सड़कों पर

रैली निकालकर किया रोष प्रकट

कामां. शाबाश इंडिया

जैन समाज कामां के युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं व बच्चों ने हाथों में सम्मेदशिखर पवित्र जैन तीर्थ घोषित करें सरकार की मांग को लेकर विजयमती त्यागी आश्रम से मुख्य बाजार होते हुए रैली निकाल कर झारखण्ड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा पारसनाथ पर्वत सम्मेदशिखर को पर्यटक व अभ्यारण घोषित करने का विरोध दर्ज कराया। युवा परिषद के अध्यक्ष मयंक जैन ने बताया कि जैन समाज के संघठनो धर्म जागृति संस्थान कामां, युवा परिषद कामां,जैन मित्र मंडल ,चन्द्रप्रभु महिला मंडल,ज्ञान विजया महिला मंडल,दिगम्बर जैन महिला परिषद शाखा कामां के संयुक्त तत्वावधान में रैली का आयोजन किया गया। तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ,सम्मेदशिखर हमें प्राणों से प्यारा,

सम्मेदशिखर अभ्यारण नही पवित्र जैन तीर्थ के नारों से गुंजायमान करते हुए नर नारी चल रहे थे तो वही उपखण्ड अधिकारी कार्यालय पहुँच कर पांच सूत्रीय मांग पत्र का ज्ञापन जितेंद्र सिंह तहसीलदार कामां को सौपा गया। संजय सर्राफ ने बताया कि 2 अगस्त 2019 को जारी अधिसूचना क्रमांक 2795 में संधोधन कर पारसनाथ पर्वत को जैन धर्म का स्वतंत्र पवित्र धार्मिक क्षेत्र घोषित किया जाए।मांस मदिरा बिक्री मुक्त क्षेत्र,अतिक्रमण मुक्त कर वृक्षो की कटाई व अवैध खनन को रोका जाए कि मांग प्रमुखता से रखी गयी। बरखा जैन,मनीषा सर्राफ,शकुंतला जैन ने संयुक्त रूप से कहा कि सम्मेदशिखर से जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकर निर्वाण को गए अतः यह क्षेत्र हमारे लिए अति पूजनीय है। इस अवसर पर जैन समाज के सैकड़ों स्त्री-पुरुष बच्चे युवा एवं युवतियां उपस्थित रहे।

लाडनूं जैन समाज के लोगों ने राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया

लाडनूं. शाबाश इंडिया

स्थानीय जैन समाज के लोगों ने सोमवार को झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा झारखंड में गिरिडिह जिले के मधुबन स्थित सर्वोच्च जैन सास्वत तीर्थ सम्मेदशिखर को वन्य जीव अभ्यारण्य घोषित कर इको सेंसिटिव जोन के अंतर्गत पर्यटन स्थल व वन्य जीव अभ्यारण्य बनाने की के विरोध में उपजिला कलेक्टर के लिए नायब तहसीलदार मुख्तार खां को ज्ञापन दिया। जैन समाज के मंत्री धर्मचन्द्र गोधा कहा कि सम्मेद शिखिरजी 20 जैन तीर्थंकरों और अनंत जैन महा-तपस्वियों की मोक्ष स्थली है। यह जैन समाज के सार्वाधिक आस्था के केन्द्र है, इसके कण-कण जैन समाज की आस्था जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि पर्यटक स्थल की घोषणा होने के साथ ही वहां पर कई तरह के लोगों का आना शुरू हो जाएगा और जैन समाज की आस्था को ठेस पहुंचेगी साथ ही अनैतिक गतिविधियां भी होने लगेगी। इसी का विरोध करने के लिए स्थानीय जैन समाज के लोगों ने सोमवार को उप-खण्ड अधिकारी कार्यालयय में मौन विरोध प्रदार्शन व ज्ञापन दिया। उन्होंने बताया कि समाज के लोगों ने महामहीम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पर्यावरण मंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा। जैन समाज के महेन्द्र सेठी ने बताया कि झारखंड में स्थित जैन समाज के प्रमुख तीर्थ क्षेत्र सम्मेदशिखर जहां से 24 में से 20 तीर्थंकर मोक्ष गये ऐसे पवित्र स्थान को पर्यटक स्थल घोषित करना यह जैन समाज की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, इससे सम्पूर्ण से समाज को आधात हुआ है। पूर्व मंत्री चांदकपूर सेठी ने बताया कि तीर्थराज सम्मेद शिखरजी को बचाने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है।

ज्ञानतीर्थ पर प्रथम बार स्वस्तिभूषण माताजी का आगमन

25 दिसम्बर को प्रातः 9 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ होगा मंगल प्रवेश

मनोज नायक. शाबाश इंडिया।

मुरेना। ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का भव्य मंगल प्रवेश 25 दिसम्बर को होगा। ज्ञानतीर्थ पर संयम साधना में रत वा. ब्र. बहिन अनीता दीदी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार स्वस्तिधाम प्रणेत्री, भारत गौरव गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ ने लगभग एक माह पूर्व जयपुर से ज्ञानतीर्थ मुरेना के लिए विहार किया । पूज्य आर्यिका संघ श्री अतिशय क्षेत्र महावीर जी, करौली, सरमथुरा, बाड़ी-बसेड़ी पद विहार करते हुए इस समय धौलपुर में विराजमान हैं। ज्ञातव्य हो कि ए बी रोड मुरेना-धौलपर हाइवे पर नव निर्मित ज्ञानतीर्थ क्षेत्र (जैन मंदिर) पर 01 फरवरी से 06 फरवरी तक श्री आदिनाथ मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्व शांति महायज्ञ का विशाल एवं भव्य आयोजन गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के निर्देशन में आयोजित होने जा रहा है। आर्यिका संघ का शनिवार 24 दिसम्बर को दोपहर 2 बजे जैन मंदिर धौलपुर से ज्ञानतीर्थ मुरेना के लिए पद विहार होगा । रास्ते में रात्रि विश्राम के पश्चात पूज्य माताजी रविवार 25 दिसम्बर को प्रातः 09 बजे श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर मंगल प्रवेश करेंगीं । मंगल प्रवेश के समय सौभाग्यशाली महिलाएं सिर पर मंगल कलश रखकर माताजी की अगवानी करेंगी और प्रवेश द्वार पर रंगोली-चौक बनाकर माताजी का पाद प्रक्षालन कर आरती करेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर प्रथमबार आगमन को देखते हुए जैन समाज में सर्वत्र हर्ष व्याप्त है । ज्ञानतीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा माताजी के मंगल प्रवेश को लेकर भव्य तैयारियां की जा रही हैं । इस पावन अवसर पर ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। पूज्य आर्यिका संघ की अगवानी के लिए समस्त साधर्मी बन्धु घड़ियाल केंद्र देवरी पर एकत्रित होंगे । घड़ियाल केंद्र से विशाल एवं भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी । जिसमें बैंड बाजे के साथ साथ सभी महिला मंडल की महिलाएं एवं बालिका मंडल की बालिकाएं अपनी अपनी आकर्षक परिधान में मौजूद रहेंगी । ज्ञानतीर्थ महाआराधक परिवार एवं सकल जैन समाज मुरेना ने सभी साधर्मी बन्धुओं, माता-बहिनों, युवा साथियों से अधिकाधिक संख्या में 25 दिसम्बर को प्रातः 7 बजे घड़ियाल केंद्र पहुँचकर पूज्य आर्यिका संघ की अगवानी एवं शोभायात्रा में सम्मिलित होने की अपील की है ।

चन्द्र प्रभू पार्श्वनाथ जयन्ती पर जैन मंदिरों में गूंजे जयकारे...

पारस प्यारा लागो चवलेश्वर प्यारा लागो....

भक्ति भाव से मनाया जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्र प्रभू एवं 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस। दिगम्बर जैन मंदिरों में हुए पूजा अर्चना के विशेष आयोजन...

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्र प्रभू एवं 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस सोमवार,19 दिसम्बर को भक्ति भाव से मनाया गया । इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये । प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः दोनों तीर्थंकरो के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात श्री जी की पूजा अर्चना की जाकर पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ दोनों तीर्थंकरो के जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढाये गये। आमेर के नटाटा स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अध्यक्ष महेन्द्र कुमार साह आबूजीवाले एवं मंत्री विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में सोमवार को प्रातः9 बजे भगवान पार्श्वनाथ जयन्ती मनाई गई जिसमें मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ का प्रथम अभिषेक समाज श्रेष्ठी अजय गोधा ने तथा भगवान की शांतिधारा की । तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से श्री 1008 पार्श्वनाथ पूजा का आयोजन किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष महेन्द्र कुमार साह आबूजीवाले, उपाध्यक्ष

अशोक साह, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, अजय साह, अनिल साह, विकास अजमेरा, भागेश बिलाला, माया साह, सुशीला साह, मंजू साह, दीपिका जैन कोटखावदा, सुनिता हल्दैनिया, मिनिका बिलाला, अमिता साह, रुपल अजमेरा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण पारस प्यारा लागो, जिनेश्वर प्यारा लागो..... के भजन पर झूमते हुए शामिल हुए। वैशाली नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में, मालपुरा रोड पर श्रीजी नगर दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका 105 श्री भरतेश्वर मती माताजी, टौक रोड पर गोरधन नगर के दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका 105 विजयमति ससंघ के सानिध्य में पूजा विधान के विशेष आयोजन किये गये । दुगार्पुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर, सांगानेर के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, गलता रोड पर अतिशय क्षेत्र जग्गा की बावडी, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, सूर्य नगर तारों की कूंट पर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बैनाड़ स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, खोह नागोरियान स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शांतिनाथ जी की खोह , महारानी फार्म स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित कई मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ एवं भगवान चन्द्र प्रभू के जन्म व तप कल्याणक दिवस पर पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए।

फागी सहित परिक्षेत्र के सकल जैन समाज ने फागी उपखण्ड अधिकारी को दिया ज्ञापन

जैन समाज ने सभी प्रतिष्ठान बंद करके अहिंसक रुप से आंदोलन के रुप में निकाला मोन जुलूस

फागी. शाबाश इंडिया

सहित परिक्षेत्र के सकल जैन समाज की ओर श्री सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र बचाओ आंदोलन के तहत आज दोपहर 3:00 बजे सम्पूर्ण सकल जैन समाज, विभिन्न महिला मंडलों, एवं समाज के विभिन्न युवा मंडलों के बेनर तले एतिहासिक रैली के द्वारा अहिंसक रुप से मोन जुलूस निकाला गया, कार्यक्रम में आज जैन समाज ने सारे प्रतिष्ठान रखें, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त मोन जुलुस पार्श्वनाथ चेतालय से मेन बाजार में होते हुए, जयपुर रोड मुख्य चोराहा होते हुए, फागी उपखण्ड कार्यालय पर पंहुचा, जहां पर पावन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर को पवित्र जैन तीर्थ घोषित करवाने हेतु उपखण्ड अधिकारी को देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री , झारखंड के मुख्यमंत्री, तथा राजस्थान के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया और ज्ञापन में पूर्व सरपंच ताराचंद जैन, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा तथा जैन महासभा के राजाबाबू गोधा ने संयुक्त रूप से बताया कि झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय ने शाश्वत तीर्थ क्षेत्र सम्मेदशिखर को वन्यजीव अभ्यारण्य का भाग घोषित कर दिया गया है ,इको सेंसेटिव जोन के अंतर्गत पर्यावरण पर्यटन एवं अन्य गैर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति देने वाली अधिसूचना बिना जैन समाज से आपत्ति एवं सुझाव लिए जारी कर दी है, इसका देश का समग्र जैन समाज सख्त विरोध करता है, सम्मेद शिखर की पवित्रता एवं स्वतंत्र पहचान को नष्ट करने के लिए झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन को रद्द करवाकर पर्वतराज एवं मधुबन क्षेत्र को पवित्र जैन तीर्थ क्षेत्र घोषित करने की सारा समाज सरकार से मांग करता है।

दर्शनोदय थूवोनजी कमेटी ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट किए

सारी दुनिया की नजर भारत के आध्यात्म पर है। हमने तो दो दो बार आशीर्वाद दिया थूवोनजी के लिए: आचार्य श्री

शिरपुर /अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आप लोगों को देख कर ऐसा लग रहा है कि आपके भीतर प्रसन्नता भरी है । आपको कैसा लगा रहा है आनंद आ रहा है जीवन में ज्ञान और अर्थज्ञान का संचालन होता है । करेंट कट गया तो सब बैठ गये । इसी प्रकार बड़े बड़े चक्रवर्ती सन्तोष के साथ सब कुछ करते हैं । सारे संसार की नजर भारत के आध्यात्म पर है यहां जीवन में सन्तोष है इसलिए भारत वासी सुख का अनुभव करते हैं। आज लोगों के अंदर लोभ लालशा बढ़ती चली जा रही है संसारी प्राणी सन्तुष्ट नहीं हो रहा इसी लिए वह अपने आज को दुखी समझ रहा है उक्त आश्य के उद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने अंतरिक्ष पार्श्वनाथ शिरपुर महाराष्ट्र से लौटकर बताया कि दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में होने वाले वार्षिक मेला महोत्सव में गुरु सान्निध्य की चाह लेकर दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल, उपाध्यक्ष राकेश अमरोद, धर्मेन्द्र रोकड़िया, महामंत्री विपिन सिंघाई, निर्माण मंत्री विनोद मोदी, पूर्व महामंत्री राकेश कासल, कोषाध्यक्ष सौरव वाझल, राजेन्द्र हलवाई, आडिटर राजीव चन्देरी , दयोदय महासंघ के महामंत्री राकेश लालाजी, परम संरक्षण शैलेन्द्र दददा, जैन युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र आगर, जैन जागृति मंडल के अध्यक्ष नितिन बज, आजाद महाना अक्षय अमरोद, श्रीमति नीतू जैन, श्रीमति अनीता जैन अमरोद, राजकुमारी जैन, सोम्या जैन, पीलू जैन सहित अन्य भक्तों ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ के चरणों में श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम का क्रिकेट टूर्नामेंट और कैलेण्डर विमोचन का आयोजन सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने बताया कि ग्रुप के क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हर वर्ष की भांति इस बार रविवार 18 दिसंबर 2022 को के टी एकेडमी में सम्पन्न हुआ । जिसमे पुरुष सदस्यो की क्रिकेट प्रतियोगिता में ग्रुप की चार टीमो टीम पर्ल, टीम डायमंड, टीम सफायर और टीम एमराल्ड ने भाग लिया । फाइनल मैच टीम पर्ल और टीम एमराल्ड के बीच खेला गया जिसमे टीम पर्ल विजय हुई । पहले मैच में सौरभ सोनी, दूसरे मैच में मनोज जैन व फाइनल मैच में रितेश जैन मेन ऑफ दी मैच रहे व मेन ऑफ दी सीरीज सौरभ सोनी रहे । ग्रुप अध्यक्ष आशीष रत्नावत ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र व राष्ट्रगान से की गई । आयोजन में जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन से आई डी व वाइस प्रेसिडेंट आर.सी. मेहता, मेवाड़ रीजन चेयरमैन मोहन बोहरा, वाइस चेयरमैन अरुण माण्डोत की उपस्थिति रही। सचिव तनुजय जैन ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रुप के वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन पधारे हुए अतिथियों द्वारा किया गया, साथ ही नए आगामी कार्यकाल अप्रैल 2023 - मार्च 2025 की नईकार्यकारिणी की घोषणा चुनाव अधिकारी रमेश जैन द्वारा ग्रुप की जनरल मीटिंग में की गई। सर्वसम्मति से निर्विरोध पदो की घोषणा की गई जिसमे अध्यक्ष विपिन जैन, उपाध्यक्ष तनुजय किकावत, सचिव सुमित खाब्या, सह सचिव लोकेश जैन, कोषाध्यक्ष पंकज जैन, पी.आर.ओ. एडमिन हेमेन्द्र जैन, पी.आर.ओ. ग्रीटिंग्स हेमन्त सिसोदिया व कार्यकारिणी सदस्य पंकज सुराणा, मनोज जैन, कल्पेश जैन, मनीष वगेरिया, सुनील जैन, राहुल अखावत, आशीष मेहता, गीतेश जैन, संदीप घरबड़ा, किरण जैन, शीतल जैन, सोनल कोठारी, खुश्बू सुराणा व पूनम जैन चुने गए ।

श्री नितिन जी - दीपिका जी जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(20 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री पंकज जी - नीना जी जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(20 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान एवं पार्श्वनाथ भगवान के जन्म तप कल्याणक महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान एवं पार्श्वनाथ भगवान के जन्म तप कल्याणक महोत्सव पर पोष बदी ग्यारस सोमवार 19 दिसम्बर को श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा जयपुर में प्रातः प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का पुण्यार्जन हर्ष चन्द मनोज कुमार जैन सोगानी परिवार ने प्राप्त किया। चमत्कारक चन्द्रप्रभ विधान पूजा में सोधर्म इन्द्र इंद्राणी का शोभाग्य महेन्द्र कुमार निर्मला जैन सेठी ने प्राप्त किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि विधानाचार्य पंडित दीपक कुमार जैन शास्त्री ने संगीतकार पवन कुमार जैन एंड पार्टी की स्वर लहरियों में विधान पूजा सम्पन्न करवाई। सोधर्म इन्द्र इंद्राणी ने अन्य इन्द्र इंद्राणियों के साथ बड़े भक्ति भाव से विधान पूजा कर पुण्य अर्जित किया। पूजा के पश्चात नवनिर्वाचित कार्य कारिणी सदस्यों का समाज के समक्ष परिचय कराया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के त्रि - वार्षिक चुनाव वर्ष 2022 - 2025 के लिए अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़, मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला, कार्याध्यक्ष सत्येन्द्र जैन पांड्या खोरा वाले, उपाध्यक्ष सुनील कुमार जैन, संगही, नरेश कुमार जैन बाकलीवाल, संयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद जैन बाकलीवाल झाग वाले, कोषाध्यक्ष विमल कुमार जैन गंगवाल, सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रेखा जैन पाटनी, प्रचार प्रसार मंत्री डॉ मनीष जैन ,संगठन एवं भंडार मंत्री दिलीप कुमार जैन कासलीवाल, त्यागी व्रती व्यवस्था मंत्री महेन्द्र कुमार जैन सेठी, प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य यश कमल जैन अजमेरा, नेमी निगोतिया जैन, भारत भूषण जैन अजमेरा, जयकुमार जैन बगरू वाले, महावीर कुमार जैन चांदवाड़, भागचन्द जैन बाकलीवाल, आनन्द जैन अजमेरा, राजेन्द्र कुमार जैन रांवका। समाज बंधुओं ने नव निर्वाचित कार्य कारिणी का तिलक, माला एवं साफा पहनाकर सम्मान किया। सम्मान करने में प्रेम चंद जैन सोगानी, डॉ मोहन लाल जैन मणि, प्रकाश चन्द जैन बाकलीवाल निमोड़िया वाले, हर्ष चन्द जैन सोगानी, राजेश मुसरफ, रेखा लुहाड़िया, मनोज कुमार जी जैन सोगानी, अनिल चांदवाड़, दीपक बाकलीवाल, बालचंद बिलाला, विमल चन्द जी जैन बड़जात्या, सुशील कुमार गंगवाल आदि उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

चंद्रप्रभ एवं पार्श्वनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के दक्षिण भाग में मुख्य टोंक रोड पर दुर्गापुरा मे श्री दिगंबर जैन मंदिर चंद्रप्रभ जी स्थित है। जैन धर्म के अष्टम तीर्थंकर श्री 1008 चंद्रप्रभु भगवान एवं तेईसवें तीर्थंकर श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के आज पौष कृष्णा एकादशी के दिन जन्म एवं तप कल्याणक महामहोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूर्व संध्या पर 48 दीप प्रज्जवलन द्वारा संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं चालीसा का वाचन किया गया एवं सोमवार को जन्म एवं तप कल्याणक के दिन नित्य नियमानुसार अभिषेक एवं शांतिधारा की गई एवं चंद्रप्रभु विधान मंडल व पार्श्वनाथ तीर्थंकर की पूजा की गई। दुर्गापुरा जैन मंदिर में तीन वेदियां हैं एवं मुख्य वेदी में मूलनायक चंद्रप्रभ भगवान है जिनकी प्रतिष्ठा संवत 1283 में आज से 796 वर्ष पूर्व हुई है, बाईं ओर की वेदी में मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान है जिनकी प्रतिष्ठा संवत 1568 अर्थात 511 वर्ष पूर्व हुई है एवं दाईं ओर

की मूल वेदी में मूलनायक चंद्रप्रभ भगवान विराजित है जिनकी प्रतिष्ठा संवत 1666 यानी 413 वर्ष पूर्व हुई है। तीनों वेदियों में विराजित मूलनायक तीर्थंकर चंद्रप्रभ भगवान एवं तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान है जिनके जन्म एवं तप कल्याणक के अवसर पर समाज को उत्सव मनाने का अवसर मिला है। पौष कृष्ण एकादशी (इस वर्ष 19 दिसंबर 2022 को) के दिन दो तीर्थंकरों का जन्म हुआ और तप भी धारण किया। 8वें तीर्थंकर श्री चन्द्रप्रभु का चन्द्रपुर नगर की महारानी लक्ष्मणा देवी के गर्भ से, वहीं 23वें तीर्थंकर पार्श्व प्रभु का काशी (बनारस) में महारानी वामा देवी के गर्भ से वर्तमान उत्तर प्रदेश में हुआ। चन्द्रप्रभु का जन्म 7वें तीर्थंकर श्री सुपार्श्वजी 900 करोड़ सागर के बाद हुआ, वहीं पारस प्रभु का जन्म 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ जी के 83 हजार 650 वर्ष बाद हुआ। चंद्रप्रभु वैजयंत नामक अनुत्तर विमान से आयु पूर्ण कर चन्द्रपुर में माता के गर्भ में आये, वहीं पारसनाथ जी प्राणतस्वर्ग में आयु पूर्ण कर इस धरा पर (बनारस/काशी)जन्में। चंद्रप्रभु के शरीर का वर्ण चन्द्रमा के समान श्वेत था, वहीं पारस प्रभु का शरीर हरित श्याम रंग का था। चंद्रप्रभु की आयु ढाई लाख वर्ष पूर्व थी (यानि 2.5 लाख गुना 84 लाख गुना 84 लाख वर्ष) एवं पारस प्रभु की आयु मात्र सौ वर्ष थी। चंद्रप्रभु का कद 900 फुट था एवं पारस प्रभु का कद साढ़े 13 फुट (9 हाथ) था।